अध्याय
04

माटी वाली

विद्यासागर नौटियाल

© JCERT not to be republished

लेखक-विद्याधर नौटियाल

पाठ विधा- संस्मरणात्मक स्मृति कथा

लेखक- परिचय

नाम- विद्यासागर नौटियाल

जन्म वर्ष- सन् 1933

राज्य- उत्तरांचल

जिला- टिहरी-गढ़वाल

गांव- माली देवल

साहित्यक विशेषताएं- विद्यासागर नौटियाल एक ऐसे पहाड़ी कथाकार के रूप में चर्चित रहे जिनकी अधिकांश रचनाएं पहाड़ों को समर्पित रही। पहाड़ों की सुंदर वादियां और फूलों की घाटियां जहां लोगों को आकर्षित करती है, वहीं पहाड़ की एक विडंबना भी है दुख, दर्द प्राकृतिक आपदाएं एवं मनुष्य द्वारा निर्मित आपदाएं इन समस्त विडंबना को कथाकार ने अपनी रचनाओं में समेटा। मोटे तौर पर इनके साहित्य लेखन के विषयों को निम्नलिखित बिंदुओं के द्वारा देखा जा सकता है-

१) पहाड़ी जीवन का चित्रण- इनकी रचनाओं की मुख्य पृष्ठभूमि पहाड़ एवं पहाड़ी जीवन रहा है। पहाड़ों की खूबसूरती और पहाड़ी जीवन की विडंबना दोनों इनकी रचनाओं का मुख्य आधार रहा है। हाशिए पर खड़े लोग, अनवरत संघर्ष, गरीबी आदि जैसे विषयों को इन्होंने अपनी रचनाओं में भली-भांति उभारा है। जैसे उत्तर बायां उपन्यास में पहाड़ी जीवन की सारी विडंबनाओं को एक साथ देखा जा सकता है।

२) सत्ता और नौकरशाही आतंक का चित्रण- नौटियाल जी उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। यह वामपंथी विचारधारा से अत्यंत प्रभावित थे इनकी राजनीतिक सफर में इन्होंने अपने विचारों को कभी त्यागा नहीं। इन्होंने बहुत ही नजदीक से सत्ता औरनौकरशाही के आतंक को देखा था। पहाड़ी जनजीवन में भी प्रशासनिक आतंक को भलीभांति महसूस किया। भीमा अकेला एवं उत्तर बायां आदि जैसे उपन्यास में इन्होंने राज्य कर्मचारियों, प्रदेश शासन द्वारा किए गए घृणित हृदय हिना व्यवहार आदि का उन्होंने वर्णन किया है।

पर्यावरणीय मुद्दे- पर्यावरण से संबंधित चिंताएं इनकी रचनाओं में प्रमुख रूप से उभारा गया है। जल, जंगल, जमीन से जुड़ी चिंताएं, विस्थापन, मेहनती, श्रम शील वर्ग की खोती पहचान, विस्मृत होते पहाड़ों का अस्तित्व आदि इनकी लेखन का विषय रहा है। इस परिपेक्ष में लघु उपन्यास झुंड से बिछुड़ा और माटी वाली कहानी को देखा जा सकता है।

लोक संस्कृति एवं पहाड़ी जीवन- पहाड़ों की अपनी जीवनशैली अपनी भाषा अपने रीति रिवाज हैं। लेखक ने पूरी ईमानदारी के साथ पहाड़ी जीवन के लोक संस्कृति को अपनी रचनाओं में स्थान दिया है। उत्तर बायां जैसे उपन्यास में गुर्जर जनजाति के चरवाहों के द्वारा इसे बहुत ही बखूबी तरीके से दर्शाया गया है।

© JCERT not to be republished

प्रमुख रचनाएं -

कहानी संग्रह: टिहरी की कहानियां,सुच्ची डोर, उमर कैद, माटी खायंजनावरां, घास सोना

उपन्यास: उलझे रिश्ते, सूरज सबका है, झुंड से बिछुड़ा, उत्तर बायां है, भीमा अकेला, स्वर्ग दद्दा पाणी-पाणी।

आत्मकथ्य-मोहन गाता जाएगा।

उनकी रचनाओं के कुछ प्रमुख कथा वस्तु का एक अवलोकन-

१) झुंड से बिछुड़ा-लघु उपन्यास

कथा वस्तु- पर्वतीय जीवन की त्रासदी, अदम्य जिजीविषा, नौकरशाही आतंक का चित्रण।

२) भीमा अकेला-उपन्यास

कथा वस्तु-आजाद हिंदुस्तान में शहीदों को भुला देने की चलन।

३) उत्तर बायां—उपन्यास

कथा वस्तु-घुमंतू जीवन, गरीबी, न्यायालय के हास्पद भूमिका का चित्रण।

४) स्वर्ग दद्दा पाणी- पाणी-उपन्यास

कथा वस्तु-पर्यावरणीय चिंता।

भाषा शैली— नौटियाल जी ने अपनी रचनाओं में मन में उतरने वाली शब्दों का प्रयोग किया है जो काफी स्पष्ट है और बहुत सा अपनापन लिए है। इनकी भाषा शैली एहसास कराती है कि मानो पर्वतों को हम सामने से देख रहे हो और पहाड़ी जीवन से हम खुद जुड़ गए हो। गढ़वाली ग्रामीण जीवन का संघर्ष या अदम्य जिजीविषा को दिखाना हो या सत्ता पर प्रहार करना हो इन सब के लिए उन्होंने काफी सशक्त शब्दों का प्रयोग किया है। आंचलिक शब्द इनकी रचनाओं में अवश्य मिलते हैं।

पाठ -परिचय

हमारी पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग 1 के अंतर्गत जो रचनाएं प्रस्तावित है उसमें एक है 'विद्याधर नौटियाल की' 'माटी वाली'। यह रचना एक संस्मरणात्मक स्मृति कथा है। विस्थापन (किसी स्थान से बलपूर्वक हटा देना) की समस्या इस पाठ का मुख्य विषय है।

इस पाठ के निम्नलिखित बिंदुओं से हम लोग अवगत होंगे, जो इस प्रकार से है-

१) विस्थापन से उपजे समस्याओं का चित्रण- इस पाठ की रचना का उद्देश्य टिहरी बांध के बनने से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को दिखाना है। विस्थापन से उपजे समस्या को केंद्र बिंदु में रखकर कहानी लिखी गई है। लेखक ने प्रमुख पात्र के रूप में एक जमीन हीन श्रमिक बूढ़ी महिला को चुना है, जो माटी काटकर अपना और अपने पति का भरण पोषण करती है।

२) मौन समझौता- सरकार योजना के तहत टिहारी बांध काम निर्माण के कारण लोगों को अपने मूल स्थान से विस्थापित होने के सिवाय और कोई चारा नहीं था इसे एक तरह से मौन समझौता भी माना जा सकता है।

© JCERT not to be republished

३) सरकारी योजनाएं और आम जनता-माटी वाली किस तरह सरकारी योजना का शिकार हो जाती है यह दिखाने की चेष्टा लेखक की रही है। माटी वाली की तरह कई ऐसे लोग हैं जो सरकारी योजना का शिकार होते रहते हैं।

४) वेदना और भय की कहानी-टिहरी बांध का निर्माण कई माटी वाली जैसे विवश लोगों की कहानी है जिनके पास अपना कुछ भी नहीं है। इस उम्र मे इस शहर को छोड़कर हम कहां जाएंगे यह कथन माटी वाली जैसे कई लोगों की वेदना और भय को दिखाती है। ठकुराइन जी जो जमीन जायदादों के मालिक है, वह तो कहीं ना कहीं ठिकानें पर जाएंगे ही। पर मैं सोचती हूं मेरा क्या होगा! मेरी तरफ देखने वाला तो कोई भी नहीं।" यह पंक्ति विचारणीय है।

५) सरकारी नीति और बेबस लोग-ऐसे कई लोग होंगे जिनके पास अपनी कोई निजी संपत्ति नहीं है और वे सरकारी योजना का लाभ नहीं उठा पाएंगे, इनका वेघर होना तय है। ऐसे लोग पुनर्वास का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। इनका भाग्य इन्हें कहां ले जाएगा यह इन्हीं भी पता नहीं।

६) आत्मा को झनझोरते सवाल-काम छूटने का मलाल, बेघर होने का दुख, और पति की मृत्यु का शोक माटी वाली को तोड़ देता है। माटी वाली को पति के अंतिम संस्कार के लिए भी सोचना पड़ता है, क्योंकि पानी भरने से शहर में सबसे पहले श्मशान ही डूब जाता है। दूसरे शब्दों में गरीब आदमी को मरने के बाद भी चैन की मृत्यु नहीं मिलती है। बांध के बनने पर ऐसी बेबसी कितने लोगों को सहनी पड़ी होगी कहना मुश्किल है।

माटी वाली पाठ का सांराश-

- टिहरी बांध से उत्पन्न विस्थापन की समस्या कहानी का केंद्र बिंदु है।
- कहानी की मुख्य पात्र एक जमीन हिन श्रमिक महिला है जो मिट्टी बेचकर अपनी जीविका चलाया करती है।
- उत्तरांचल राज्य में सरकारी योजना के तहत टिहरी बांध का निर्माण किया गया था।
- टिहरी बांध के निर्माण से कई लोगों को अपने मूल स्थान से विस्थापित होने के लिए मजबूर होना पड़ा।
- ऐसे लोग जो जमीन हीन थे उन्हें पुनर्वास का हिस्सा नहीं बनाया गया।
- माटी वाली अपने कर्म भूमि को छोड़कर अब कहीं और जाना नहीं चाहती थी।
- जमीन हिन होने के कारण माटी वाली को पुनर्वास का हिस्सा नहीं बनाया जाता है।

© JCERT not to be republished

शब्दार्थ

सेमल- एक प्रकार का औषधिय पेड़। कंटर- कनस्तर। किराएदार-भाड़े पर रहने वाले लोग। प्रतिद्वंद्वी- विरोधी। बगैर-बिना।

चूल्हा-चौका- जहां रसोई घर का काम होता है। मान्यता- विश्वास। माटाखान- ऐसी जगह जहां से मिट्टी निकाली जाती है। तट- किनारा। रेतीले- बालू से भरा हुआ। डिल्ले- सिर के बोझ के नीचे रखने वाली कपड़े की गद्दी। टैम- समय। अशक्त- थका उत्साहिन, शिथिल। मन मसोसकर- (मुहावरा) मन की बात मन में ही दवा देना। कातर- (संस्कृत शब्द) कष्ट से आकुल, दुखी, भयभीत। गुजारा- निर्वाह, खर्च। एवज- प्रतिफल, बदले में। बेगार- बिना मजदूरी के बलपूर्वक करवाए जाने वाला काम। आमदनी- आय। पाव- गणित की एक इकाई (ढाई सौ ग्राम)। आपाधापी- खींचतान, व्यस्तता। हराम- अनुचित, बुरा। तमाम- सारा, कुल। गवाही- साक्षी, सबूत। तंगी- कमी। पुरखों- पूर्वज। गाढ़ी- गहरा। मोटी- हासिल, प्राप्त करना। इंतजार- प्रतीक्षा। तहसील- प्रशासनिक इकाई जहां जमीन से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाता है। प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट)- वह पत्र जिस पर लिखी गई बातों को सही माना जाता है।

भांडे-भंडारण- सामान को रखने के लिए प्रयुक्त होने वाली बर्तन। सुरंग- छेद, छिद्र, मार्ग।

© JCERT not to be republished

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **'माटी वाली' पाठ के रचनाकार का नाम बताएं?**

   क) यशपाल

   ख) मधु कांकरिया

   ग) सुमित्रानंदन पंत

   घ) विद्याधर नौटियाल

उत्तर-घ) विद्याधर नौटियाल

2. **'माटी वाली' किस विधा (प्रकार) की रचना है?**

   क) निबंध

   ख) संस्मरणात्मक स्मृति कथा।

   ग) कहानी

   घ) कविता

उत्तर-ख) संस्मरणात्मक स्मृति कथा।

3. **माटी वाली कौन थी?**

   क) एक जवान महिला

   ख) एक बूढ़ी श्रमिक महिला।

   ग) एक बच्ची

   घ) एक धनी महिला

उत्तर-ख) एक बूढ़ी श्रमिक महिला।

4. **माटी वाली कहानी किस शहर से जुड़ी कहानी है?**

क) आगरा शहर

ख) टिहरी शहर (उत्तराखंड)।

ग) लखनऊ शहर

घ) कानपुर शहर

उत्तर-ख) टिहरी शहर (उत्तराखंड)

5. माटी वाली घर-घर तक किस प्रकार की मिट्टी पहुंचाती थी?

क) काली मिट्टी

ख) भूरी मिट्टी

ग) लाल मिट्टी

घ) पीली मिट्टी

उत्तर-ग) लाल मिट्टी।

6. भागीरथी और भिलांगना क्या है?

क) कुआं का नाम

ख) नदियों का नाम

ग) तालाब का नाम

घ) नहर का नाम

उत्तर-ख) नदियों का नाम।

7. टिहरी शहर किन दो नदियों के तट पर बसा है?

क) गंगा एवं यमुना

ख) भिलांगना एवं भागीरथी नदी।

ग) कावेरी एवं गोदावरी

घ) दामोदर एवं मयूराक्षी

उत्तर-ख) भिलांगना एवं भागीरथी नदी।

8. भिलांगना और भागीरथी की नदियां का मिट्टी लिपाई के काम में क्यों नहीं लिया जा सकता है?

क) काली मिट्टी होने के कारण

ख) रेतीली मिट्टी होने के कारण।

ग) पीली मिट्टी होने के कारण

घ) भूरी मिट्टी होने के कारण

उत्तर-ख) रेतीली मिट्टी होने के कारण।

9. माटी वाली की मिट्टी कौन-कौन से ग्राहक (खरीददार) लिया करते थे?

क) विदेशी लोग

ख) ग्रामीण लोग

ग) स्थानीय लोगों के साथ-साथ नए किराएदार

घ) शहरी लोग

उत्तर-ग) स्थानीय लोगों के साथ-साथ नए किराएदार।

10. माटी बेचने वाली का परिचय दें।

क) नाटे कद की एक हरिजन बुढ़िया

ख) ब्राह्मण महिला

ग) गांव में रहने वाली महिला

घ) शहर मैं रहने वाली महिला

उत्तर-क) नाटे कद की एक हरिजन बुढ़िया

© JCERT not to be republished

11. शहरवासी किसे अच्छी तरह से पहचानते थे?

क) माटी वाली और उसके घर को

ख) माटी वाली और उसके कंटर (कनस्तर)को

ग) माटी वाली और उसके बर्तन को

घ) माटी वाली और उसके पति को

उत्तर-ख) माटी वाली और उसके कंटर (कनस्तर) को

12. माटी वाली के डिल्ले के ऊपर क्या टिका रहता था?

क) बर्तन ख) कनस्तर

ग) ईंट घ) मटका

उत्तर-ख) कन्स्तर

13. मालकिन ने माटी वाली को खाने के लिए कितनी रोटियां दी?

क) एक रोटी ख) दो रोटी

ग) तीन रोटी घ) चार रोटी

उत्तर-ख) दो रोटी

14. मालकिन द्वारा दी गई रोटियों का माटीवाली क्या करती है?

क) कुत्ते को दे देती है।

ख) गाय को दे देती है।

ग) फेंक देती है।

घ) पति के लिए बचा लेती है।

उत्तर-घ) पति के लिए बचा लेती है।

15. क्या माटी वाली सरकार की पुनर्वास योजना का लाभ उठा सकती थी?

क) हां ख) नहीं।

ग) शायद हां घ) पता नहीं

उत्तर-ख) नहीं

16. पुनर्वास योजना का लाभ किन्हें मिलने वाला था?

क) जिनके पास जमीन-जायदाद था

ख) उनके पास जमीन जायदाद नहीं था

ग) जिनके पास दुकान था

घ) जिनके पास घर था

उत्तर-क) जिनके पास जमीन-जायदाद था

17. "मेरा क्या होगा। मेरी तरफ देखने वाला तो कोई भी नहीं" पंक्ति कौन कहता है?

क) ठकुराइन

ख) माटी वाली का पति

ग) शहर निवासी

घ) माटी वाली

उत्तर-घ) माटी वाली

18. क्या सरकार ने गैर जमीन जायदाद वाले लोगों के लिए कोई योजना बनाई थी?

क) हां ख) नहीं

ग) पता नहीं घ) शायद नहीं

© JCERT not to be republished

उत्तर-ख) नहीं।

19. माटी वाली भोजन में अपने पति को रोटियों के साथ और क्या खिलाना चाहती थी?

क) लौकी की सब्जी

ख) फूल गोभी की सब्जी

ग) प्याज की सब्जी।

घ) भिंडी की सब्जी

उत्तर-ग) प्याज की सब्जी।

20. माटी वाली ने कितना पाव प्याज खरीदा?

क) सौ ग्राम

ख) एक पाव (250 ग्राम)

ग) दो सौ ग्राम

घ) एक किलो

उत्तर-ख) एक पाव (250 ग्राम)

21. क्या माटी वाली अपने पति के लिए भोजन तैयार कर पाई?

क) हां ख) नहीं

ग) पता नहीं घ) शायद हां

उत्तर-ख) नहीं

22. माटी छोड़ने का अर्थ बताएं?

क) घर को त्यागना।

ख) देह को त्याग देना।

ग) देह को बचाना।

घ) भोजन त्यागना।

उत्तर-ख) देह को त्याग देना।

23. टिहरी बांध की कितनी सुरंगों को बंद कर दिया गया था?

क) एक सुरंग।

ख) दो सुरंग।

ग) तीन सुरंग।

घ) चार सुरंग।

उत्तर-ख) दो सुरंग।

24. शहर में पानी भरने पर क्या मचा हुआ था?

क) शांति

ख) खुशहाली

ग) मस्ती

घ) आपा-धापी (व्यस्तता)

उत्तर-घ) आपा-धापी (व्यस्तता)

25. टिहरी बांध बनने के कारण लोगों को कहां विस्थापित किया जा रहा था?

क) नई टिहरी और देहरादून के आसपास

ख) रुद्रप्रयाग

ग) हरिद्वार

घ) चमोली

उत्तर-क) नई टिहरी और देहरादून के आसपास

© JCERT not to be republished

26. शहर में पानी भरने पर सबसे पहले क्या डूबा?

क) घर।

ख) शमशान।

ग) मंदिर।

घ) खेत।

उत्तर-ख) शमशान।

27. "गरीब आदमी का शमशान नहीं उजाड़ना चाहिए" यह कौन कहता है?

क) शहर निवासी

ख) गांव के लोग

ग) माटीवाली का पति

घ) माटी वाली

उत्तर-घ) माटी वाली

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. माटी वाली पाठ के रचनाकार का नाम बताएं? माटी वाली किस विधा (प्रकार) की रचना है?

उत्तर- लेखक विद्याधर नौटियाल एवं रचना की विधा संस्मरणात्मक स्मृति कथा है।

2. संस्मरण आत्मक स्मृति कथा का अर्थ बताएं?

उत्तर- ऐसी रचना जो किसी व्यक्ति घटना अथवा वस्तु को याद करके लिखी जाए। ऐसी रचनाएं सत्य घटनाओं पर आधारित होती है।

3. माटी वाली कौन थी?

उत्तर- एक बूढ़ी श्रमिक महिला।

4. माटी वाली क्या काम करती थी?

उत्तर- मिट्टी काटकर लोगों के घर तक पहुंचाने का काम किया करती थी।

5. पूरे शहर में माटी वाली का कोई प्रतिद्वंदी नहीं था क्यों?

उत्तर- घर घर-मिट्टी पहुंचाने का काम पूरे शहर में माटी वाली अकेली करती थी, इसलिए उसका कोई प्रतिद्वंदी नहीं था।

6. शहर भर के लोग माटी वाली से लाल मिट्टी क्यों लेते थे?

उत्तर- रसोई और भोजन के उपरांत लोग अपने चूल्हा-चौके की लिपाई के लिए, एवं साल में मकान के कमरों दीवारों की लिपाई के लिए लाल मिट्टी लिया करते थे।?

7. भागीरथी और भिलांगना क्या है? इनकी क्या विशेषताएं है?

उत्तर- नदियों का नाम है इन दोनों नादियों के तट पर टिहरी शहर बसा हुआ है।

8. भिलांगना और भागीरथी की नदियां का मिट्टी लिपाई के काम में क्यों नहीं लिया जा सकता है?

उत्तर- रेतीली मिट्टी होने के कारण।

© JCERT not to be republished

9. माटी वाली की मिट्टी कौन-कौन से ग्राहक (खरीददार) लिया करते थे?

उत्तर- स्थानीय लोगों के साथ साथ नए किराएदार।

10. माटी बेचने वाली का परिचय दें?

उत्तर- नाटे कद की एक हरिजन बुढ़िया जो मिट्टी काट कर अपनी जीविका चलाती थी।

11. शहरवासी किसे अच्छी तरह से पहचानते थे?

उत्तर- माटी वाली और उसके कंटर (कनस्तर) को सभी पहचानते थे।

"तू बहुत भाग्यवान है चाय के टाइम पर आई है हमारे घर। भाग्यवान आए खाते वक्त।"

12. यह पंक्तियां किस पाठ से ली गई है इसके रचनाकार का नाम बताएं?

उत्तर- यह पंक्तियां माटी वाली पाठ से ली गई है एवं रचनाकार का नाम विद्याधर नौटियाल है।

13. माटी वाली के पास अपने अच्छे और बुरे भाग्य के बारे में ज्यादा सोचने का वक्त नहीं था ऐसा क्यों?

उत्तर- टिहरी बांध के कारण लोग विस्थापित होने वाले थे, लोगों में आपाधापी मची हुई थी माटी वाली को विस्थापित होने की चिंता सता रही थी।

14. मालकिन द्वारा दी गई रोटियों का माटीवाली क्या करती है?

उत्तर- एक रोटी स्वयं खाकर दूसरी रोटी अपने पति के लिए बचा लेती है।

15. "चाय तो बहुत अच्छा साग हो जाती है ठकुराइन जी" यह पंक्तियां किस पाठ से ली गई है एवं इसके रचनाकार कौन है?

उत्तर- पाठ माटी वाली एवं रचनाकार विद्याधर नौटियाल।

16. "भूख तो अपने में एक साग होती है बुढ़िया। भूख मीठी कि भोजन मीठा?"

यह पंक्तियां किस पाठ से ली गई है एवं इसके रचनाकार का नाम बताएं?

उत्तर- पाठ माटी वाली एवं रचनाकार का नाम विद्याधर नौटियाल।

भूख मीठी कि भोजन मीठा का अर्थ बताएं।

भूख लगने पर पेट भरने की चिंता होती है भोजन के स्वाद पर नहीं। अर्थात भूख लगने पर हर प्रकार का भोजन स्वादिष्ट लगता है।

17. माटी वाली रचना में ठकुराइन पुरखों की गाढ़ी कमाई बचाकर क्यों रखना चाहती है?

उत्तर- अपने पूर्वजों के द्वारा संचित कमाई को ठकुराइन श्रद्धा के भावसे देखती है। साथ ही साथ उस कमाई को बुरे वक्त के लिए भी बचाकर रखना चाहती है।

'अपनी चीज का मोह बहुत बुरा होता है। मैं तो सोच कर पागल हो जाती हूं कि इस उम्र में इस शहर को छोड़कर हम जाएंगे कहां।'

© JCERT not to be republished

18. यह पंक्तियां किस पाठ से ली गई है एवं इसके रचनाकार का नाम बताएं?

उत्तर- पाठ का नाम माटी वाली एवं रचनाकार विद्याधर नौटियाल है।

19. माटी वाली को शहर छोड़ना क्यों पड़ रहा है?

उत्तर- टिहरी बांध के बनने के कारण लोगों को शहर छोड़ना पड़ रहा है।

20. टिहरी बांध के कारण लोग को शहर से क्यों विस्थापित किया जा रहा था?

उत्तर- बांध के निर्माण के लिए जमीनों का अधिग्रहण (कब्जा) किया जा रहा था, ऐसे में लोगों के पास शहर छोड़ने के अलावा और कोई चारा नहीं था।

21. 'अपनी चीज का मोह बहुत बुरा होता है'। माटी वाली कहानी के संदर्भ में अर्थ बताएं।

उत्तर- माटी वाली बुढ़िया के पास अपनी कोई जमीन जायदाद नहीं थी। अपना सारा जीवन माटी बेचते हुए उसने टिहरी में बिता दिया। शहर छोड़ने की बात से ही माटी वाली का दिल दुखी हुआ जा रहा था।

22. सरकार ने पुनर्वास के लिए क्या योजना बनाई थी?

उत्तर- सरकारी घोषणा के अंतर्गत ऐसे व्यक्तियों के लिए ही पुनर्वास की व्यवस्था थी, जिनके पास अपना कोई जमीन हो।

23. पुनर्वास योजना का लाभ किन्हें मिलने वाला था?

उत्तर- ऐसे लोगों को जिनका टिहरी में कोई जमीन-जायदाद हो।

"मेरा क्या होगा! मेरी तरफ देखने वाला तो कोई भी नहीं"

24. यह पंक्तियां किस पाठ से ली गई है एवं इसके रचनाकार का नाम लिखें।

उत्तर- पाठ का नाम माटी वाली एवं रचनाकार का नाम विद्याधर नौटियाल है।

25. क्या सरकार ने गैर जमीन जायदाद वाले लोगों के लिए कोई योजना बनाई थी?

उत्तर- नहीं। इस सरकारी योजना में ऐसे ही लोगों को शामिल किया गया था, जिसकी जमीन जायदाद टिहरी क्षेत्र में हो।

26. यह जानने के बाद भी कि टिहरी शहर कभी भी छोड़ना पड़ सकता है माटी वाली काम के लिए क्यों निकली थी?

उत्तर- अपने और अपने बीमार पति के लिए कमाने का एक मात्र साधन माटी बेचना ही था। चाह कर भी वह टिहरी नहीं छोड़ सकती थी।

27. क्या माटी वाली अपने पति के लिए भोजन तैयार कर पाई नहीं।

उत्तर- माटी वाली के घर पहुंचने के पहले ही उसका पति मर चुका था।

28. माटी छोड़ने का अर्थ बताएं?

उत्तर- देह को त्याग देना।

29. "मेरी जिंदगी तो इस शहर के तमाम घरों में माटी देते गुजर गई साब" यह पंक्ति किस

© JCERT not to be republished

पाठ से ली गई है एवं इसके रचनाकार का नाम बताएं?

उत्तर- पाठ का नाम माटी वाली एवं रचनाकार विद्याधर नौटियाल है।

28. वह माटाखान चढ़ी है तेरे नाम? अगर है तो हम तेरा नाम लिख देते हैं। यह पंक्ति किस पाठ से ली गई है इसके रचनाकार का नाम बताएं?

उत्तर- पाठ का नाम माटी वाली एवं रचनाकार का नाम विद्याधर नौटियाल है।

29. "हमें जमीन का कागज चाहिए, रोजी का नहीं।" यह पंक्ति किस पाठ से ली गई है एवं इसके रचनाकार का नाम बताएं?

उत्तर- पाठ का नाम माटी वाली एवं रचनाकार का नाम विद्याधर नौटियाल है।

30. "बांध बनने के बाद मैं क्या खाऊंगी साब?" यह पंक्तियां किस पाठ से ली गई है एवं इसके रचनाकार का नाम बताएं?

उत्तर- पाठ का नाम माटी वाली एवं रचनाकार का नाम विद्याधर नौटियाल है।

"इस बात का फैसला तो हम नहीं कर सकते। वह तो तुझे खुद ही तय करनी पड़ेगी"

31. यह पंक्ति पाठ से ली गई है एवं इसके रचनाकार का नाम बताएं?

उत्तर- पाठ का नाम माटी वाली एवं रचनाकार का नाम विद्याधर नौटियाल है।

32. "इस बात का फैसला तो हम नहीं कर सकते। वह तो तुझे खुद ही तय करनी पड़ेगी" टिहरी बांध पुनर्वास के साहब ने माटी वाली से ऐसा क्यों कहां?

उत्तर- बूढ़ी माटी वाली के पास जमीन के नाम पर कुछ भी नहीं था। ऐसे लोगों की मदद की कोई योजना सरकार के पास में नहीं थी लोगों को सरकार ने उनके हाल पर छोड़ दिया था।

33. शहर में पानी भरने पर सबसे पहले शमशान ही क्यों डूबा?

उत्तर- प्राया: शमशान नदियों के किनारे ही होता है, ऐसे में शमशान का डूबना स्वाभाविक है।

34. क्या सरकारी योजनाएं हमारे लिए नुकसानदायक होती है?

उत्तर- नहीं। लाभ के साथ साथ अगर सरकार हमारी भावनाओं और इच्छाओं का ख्याल रखती है तो, सरकारी योजनाएं हमारे लिए लाभदायक है।

35. टिहरी की जल समाधि लेने पर टिहरी का क्या हाल हुआ होगा?

उत्तर- लोगों को तो पुनर्वासित (फिर से बसाना) कर दिया गया, लेकिन टिहरी के वन्य जीव-जंतु, खेत खलियान पेड़ पौधे सभी डूब गए होंगे।

36. लोग आजकल पीतल और कांस के बर्तन को छोड़कर किस बर्तन में भोजन करना पसंद कर रहे हैं?

उत्तर- स्टील, कांच और मिट्टी के बर्तनों में भोजन करना पसंद कर रहे हैं।

© JCERT not to be republished

37. "गरीब आदमी का शमशान नहीं उजाड़ना चाहिए" ऐसा माटी वाली क्यों कहती है?

उत्तर- टिहरी के जलमग्न होने से शमशान डूब जाता है और माटी वाली अपने पति का अंतिम संस्कार करने में असमर्थ हो जाती है। हर व्यक्ति अपने मूल स्थान से ही अपनी विदाई चाहता है, लेकिन माटी वाली की यह विडंबना है की ना तो उसके पति और ना ही उसे यह सौभाग्य प्राप्त होगा। जब रहने कास्थान ही नहीं बचा तो, इच्छाओं की बात करना ही बेईमानी है।

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1. 'शहरवासी सिर्फ माटी वाली को नहीं, उसके कंटर को भी अच्छी तरह पहचानते हैं।' आपकी समझ से वे कौन से कारण रहे होंगे जिनके रहते 'माटी वाली' को सब पहचानते थे?

उत्तर- इसके निम्नलिखित कारण थे-

१) लोगों कि भोजन कर लेने के बाद चूल्हा चौकी की लिपाई करने की मान्यता थी।

२) माटी वाली जो मिट्टी उपलब्ध करवाती थी वह उच्चतम गुणों वाला था।

३) शहर को मिट्टी उपलब्ध कराने वाली वह एकमात्र श्रमिक महिला थी।

प्रश्न 2. माटी वाली के पास अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में ज्यादा सोचने का समय क्यों नहीं था?

उत्तर- माटी वाली अपने घर में कमाने वाली एकमात्र महिला थी। जीविका चलाने के लिए उसे घर-घर तक मिट्टी काटकर पहुंचाना होता था जो काफी श्रम साध्य था, इसके अतिरिक्त उसे ठाकुर के यहां बेगार भी खटना होता था। माटी वाली का घर शहर से दूर था ऐसे में अपने बीमार पति के पास पहुंचकर उसके लिए भोजन तैयार करना भी उसके लिए प्राथमिकता का विषय था। इतने व्यस्त दिनचर्या में उसे अपने भाग्य के बारे में वह सोची हीनहीं पाती थी।

प्रश्न 3. 'भूख मीठी कि भोजन मीठा' से क्या अभिप्राय (मतलब) है?

उत्तर- भूख लगने पर लोग भोजन के स्वाद से नहीं, बल्कि भोजन से तृप्त होते हैं।

प्रश्न 4. पुरखों की गाढ़ी कमाई से हासिल की गई चीज़ों को हराम के भाव बेचने को मेरा दिल गवाही नहीं देता।'- मालकिन के इस कथन के आलोक में विरासत के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर- अपने पूर्वजों के द्वारा संचित कमाई को ठकुराइन श्रद्धा के भावसे देखती है, साथ ही साथ उस कमाई को बुरे वक्त के लिए भी बचाकर रखना चाहती है।

प्रश्न 5. माटी वाली को रोटियों का इस तरह हिसाब लगाना उसकी किस मजबूरी को प्रकट करता है?

© JCERT not to be republished

माटी वाली अपने घर की कमाने वाली एकमात्र सदस्यया थी, जो अपने पति से बेहद प्रेम करती थी। रोटियों का गिनना उसके प्रेम भाव के साथ साथ उसकी खराब आर्थिक हालात का बयान (बताना) करती है।

प्रश्न 6. आज माटी वाली बुड्ढे को कोरी रोटियाँ नहीं देगी- इस कथन के आधार पर माटी वाली के हृदय के भावों को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- माटी वाली की आर्थिक स्थिति दयनीय थी। माटी बेचने से हुई आमदनी से एक पाव प्याज खरीदना चाहती थी ताकि गठरी में बदल गए अपने पति को वह कुछ अच्छा खिला सके वह अपने पति को अत्यंत प्रेम करती थी।

प्रश्न 7. 'गरीब आदमी का शमशान नहीं उजड़ना चाहिए।' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- एसे व्यक्ति भाग्यशाली माने जाते है, जिनका कर्म क्षेत्र ही मरण क्षेत्र बन पाता है। मनुष्य के अंदर स्थान विशेष का मोह बसा रहता है। परिवार विहीन होकर बुढ़ापे में नया बसेरा बसाना आसान नहीं होता। जब लोगों को अपने स्थान विशेष के लोग, जीव जंतु, पेड़ पौधे यहां तक की खेत-खलियान तक से मोह रहा हो। अपने देह की माटी को अपने कर्म क्षेत्र की माटी में मिलाने की इच्छा माटी वाली छोड़ नहीं पा रही थी, लेकिन टिहरी की जल समाधि ले लेने के उपरांत माटी वाली की इच्छाओं को भी जल समाधि ले लेना पड़ा।

सरकारी योजनाएं लोगों के हित के लिए होती है, लेकिन लोगों की इच्छाओं और भावनाओं का भी ख्याल रखना जरूरी है अन्यथा ऐसे कितने ही माटी वाली की तरह लोगों होंगे जो सरकारी योजनाओं के शिकार होते रहेंगे।

पाठ के कुछ अनछुए पहलू-

१) टिहरी बांध परियोजना-उत्तराखंड के गढ़वाल जिले में भागीरथी और भिलंगना नदियों पर बनने वाली एशिया का सबसे बड़ाऔर विश्व का पांचवी सबसे ऊंचा बांध है। इस बांध का निर्माण 1972 में हुआ था। जल संसाधन और जल विद्युत का बेहतर इस्तेमाल के लिए इसे बनाया गया है।

बांध के निर्माण में 37 गांव जलमग्न हो गए और पर्यावरण को भी भारीनुकसान हुआ। लोगों ने इसका विरोध किया जिसमें सुंदरलाल बहुगुणा भी शामिल थे।

२) पीतल और कांस्य (कांसा) बर्तन का महत्व- हमारे भारतीय रसोई में आज से पहले पीतल और कांसे का प्रयोग खूब हुआ करता था, क्योंकि ये बर्तन विषाणु और जीवाणुओं को मारने की क्षमता रखता हैजो हमारे स्वास्थ्य के लिए हितकर है। खट्टे पदार्थों का सेवन इन बर्तनों में नहीं करना चाहिए ना ही पकाना चाहिए।

© JCERT not to be republished